Sahitya Samhita (साहित्य संहिता)
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 04 Issue 01
January 2018

लीडरशिप पर निबंध

शशिकांत निशांत शर्मा

लीडरशिप एक अनूठा गुण है जो हर किसी के पास नहीं हो सकता। यदि आपके पास यह है तो आप खुद को भाग्यशाली मान सकते हैं। सही दिशा में अपने करियर को बढ़ाने और अपने आस-पास के लोगों को प्रेरणा देने के लिए लीडरशिप के गुण को आगे बढ़ा बढ़ाना जरुरी है। हालांकि आगे बढ़ने और अपने कौशल को सुधारने से पहले विभिन्न प्रकार के लीडरशिप शैलियों को समझना जरूरी है।

लीडरशिप शैलियों के प्रकार

1. डेमोक्रेटिक लीडरशिप

आपके अधीनस्थ काम करने वाले इस प्रकार के लीडरशिप में निर्णय लेने की प्रक्रिया का एक हिस्सा हैं। इस तरह का लीडरशिप अधीनस्थों के योगदान पर केंद्रित होता है। हालांकि उनके निर्णयों और कार्यों की अंतिम जवाबदेही नेता की है। यह सबसे पसंदीदा लीडरशिप शैलियों में से एक माना जाता है।

2. परिवर्तनकारी लीडरशिप

इस प्रकार का लीडरशिप स्वयं के, समूह के सदस्यों, संगठन के साथ ही अन्य कारकों में सुधार करके प्रदर्शन को प्रभावित करने के बारे में है। एक परिवर्तनकारी नेता उच्च लक्ष्यों को स्थापित करके और उत्पादकता बढ़ाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करके दूसरों को प्रेरित करता है।

ISSN 2454-2695
Volume 04 Issue 01
January 2018

3. टीम लीडरशिप

एक टीम का नेता अपनी परियोजना में पूरी टीम को शामिल करता है। नेता अपनी टीम को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है और साथ ही वह निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने और पेशेवर ज्ञान के विकास के लिए काम करता हैं।

4. सामरिक लीडरशिप

इस प्रकार की लीडरशिप शैली में ऐसा नेता होता है जो मूल रूप से एक फर्म/कंपनी का प्रमुख होता है लेकिन वह शीर्ष प्रबंधन के विचारों को साझा नहीं करता है। वह सभी स्तरों पर पूरी टीम के साथ शामिल होता है। वह नई संभावनाओं और यथार्थवाद की आवश्यकता के बीच की खाई को जोड़ने के लिए एक पुल की तरह कार्य करता है।

5. लोकतांत्रिक लीडरशिप

इस प्रकार का लीडरशिप शैली बॉस पर केंद्रित होती है। यहां नेता सभी अधिकार अपने पास रखता है। वह अपनी टीम से परामर्श किए बिना अपने विवेक पर पूरी तरह से निर्णय लेता है। वह अपनी टीम के साथ संवाद कर उनसे तत्काल कार्यान्वयन की अपेक्षा करता है। वह अकेले अपने निर्णयों के लिए जिम्मेदार है। इस शैली में किसी प्रकार की कोई ढील नहीं बरती जाती। इस तरह के लीडरशिप की अक्सर आलोचना की जाती है।

6. दूरदर्शी लीडरशिप

ISSN 2454-2695
Volume 04 Issue 01
January 2018

इस प्रकार का नेता अपनी टीम के सदस्यों की प्रतिभा और जरूरतों को पहचानता है। वह सफलता की दृष्टि को स्थापित कर इच्छित परिणाम प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करता है।

7. कोचिंग लीडरशिप

प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए एक कोचिंग नेता लगातार अपनी टीम के सदस्यों को मार्गदर्शित और उनकी निगरानी करता है। वह अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करता है और उन्हें कठिन काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। लीडरशिप की इस शैली को अत्यधिक सराहना मिलती है।

8. सुविधाजनक लीडरशिप

अगर टीम कम काम कर रही है तो एक सुगम नेता अपनी टीम के सदस्यों को समय-समय पर निर्देश देकर उनकी काम करने की प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक चलाने में मदद करता है। यदि उच्च कार्यशील टीम है तो नेता काम करने के हल्का दृष्टिकोण भी अपना सकता है।

9. क्रॉस-सांस्कृतिक लीडरशिप

इस प्रकार का लीडरशिप तब होता है जब अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों से निपटना होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में विभिन्न संगठनों में काम करने वाले कई नेता क्रॉस-सांस्कृतिक हैं क्योंकि विभिन्न संस्कृतियों के लोग वहां कार्यरत हैं।

10. अहस्तक्षेप लीडरशिप

ISSN 2454-2695
Volume 04 Issue 01
January 2018

लीडरशिप के इस प्रकार की शैली में टीम के सदस्यों को अधिकार दिए जाते हैं। टीम के सभी सदस्यों को काम करने की छूट मिली होती है और नेता की ओर से किसी तरह का कोई दखल अंदाजी नहीं होता। यह एक प्रभावी लीडरशिप शैली नहीं मानी जाती।

11. लेन-देन संबंधी लीडरशिप

लीडरशिप के इस प्रकार की प्रक्रिया में लेन-देन संबंधी कार्य शामिल है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत टीम के सदस्यों को सही ढंग से नेता के विचारों और निर्णय को लागू करने के लिए सम्मानित और पुरस्कृत किया जाता है।

12. करिश्माई लीडरशिप

इस प्रकार की शैली में नेता अपने अनुयायीओं के विश्वास मूल्यों और व्यवहार को बदलने के लिए समय लेता है ताकि अपने कर्मचारियों से बेहतर काम करवाया जा सके।

निष्कर्ष

अगर आपको ऐसा लगता है की लीडरशिप के गुण को अधिक प्रकारों में नहीं बांटा जा सकता तो यहाँ दी गई जानकारी यह मिथक तोड़ने में मदद कर सकती हैं। इससे आप अपने अंदर मौजूद लीडरशिप के गुणों और अद्वितीय लीडरशिप शैली को पहचान कर उन पर महारथ हासिल कर सकते हैं।